24 Page Copy1-2-1-22-Front-Black

कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

2545269

क्रम संख्या

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ☐ अंग्रेजी ☑

विषय Sanskrit

परीक्षा का दिन Friday

दिनांक 4 April 2025

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदाहरणार्थः 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1	17	19	3
2	5	20	
3	8	21	
4	2	22	
5	2	23	
6	2	24	
7	2	25	
8	2	26	
9	2	27	
10	2	28	
11	5	29	
12	5	30	
13	5	31	
14	3	योग	80
15	3	प्राप्त अंकों का कुल योग (Round off)	
16	4	अंकों में	शब्दों में
17	4	80	अस्सी
18	4		

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक 025000

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 60 जी.एस.एम. ईको मैपलिथो कागज ही उपयोग में लिया गया है। 180/2025

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका, उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशंषा पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी:–
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबल के आस–पास कोई अनुचित सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
17		खण्ड – 'अ'
1	प्र. 1	(i) (ब) पाषाणी ।
1		(ii) (द) बुद्धिमती ।
1		(iii) (स) रामः ।
1		(iv) (अ) कृषकः ।
1		(v) (स) आलस्यम् ।
1		(vi) (अ) महाविद्यालये ।
1		(vii) (द) भूकम्पस्य ।
1		(viii) (ब) प्रकृतिरेव ।
1		(ix) (अ) कुर्वन्नासीत्
1		(x) (स) भोजकस्तत्र ।
1		(xi) (द) जगत् + ईशः ।
1		(xii) (अ) द्वितीया ।
1		(xiii) (ब) चतुर्थी ।

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1		(xiv) (द) अनु
1		(xv) (ब) निः + सरन्ति।
1		(xvi) (द) लिखति।
1		(xvii) (स) रुद् - धातुः।
5	प्र2	(i) हसन्।
1		(ii) कृतज्ञता।
1		(iii) मुक्ताः।
1		(iv) ~~पादेन~~ ~~पादध्वनिना~~ पादध्वनिनेन।
1		(v) पुष्पेषु।
8 1	प्र3	(क) (i) महाराणा - उदयसिंहः।
1		(ii) चेतकासीत्।
1		
2		(ख) (i) महाराणाप्रतापस्य जन्म ख्रीस्ताब्दस्य मईमासस्य 1540 ~~नवमं~~ दिनांके अभूत।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1 (ग) शूरवीरः महाराणाप्रतापः।

1 (घ) (i) गजः।

1 (ii) अश्वः।

1 (iii) गजः।

खण्ड - 'ब'

2 प्र4 तृतीया विभक्तिः अलम् योगेः।

2 प्र5 (अ) 105 → पञ्चाधिकशतम्।

1 (ब) 150 → पञ्चाशत् अधिकं एकशतम्।

2 प्र6 कासां माता सुरभिः आसीत्?

2 प्र7 प्रसंग :- उपर्युक्त श्लोक कक्षा दसवीं की संस्कृत की पाठ्यपुस्तक "शेमुषी भाग-2" के सुभाषितानि नामक पाठ से उद्धृत है। इस श्लोक में उदर वस्तु, प्राणी आदि का अपना - अपना महत्व बतलाया गया है। और कहा गया है कि संसार में कोई भी वस्तु निरर्थक नहीं है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

भावार्थ :- निश्चित ही इस विचित्र संसार में कोई भी वस्तु निरर्थक नहीं है अर्थात सभी का अपना - अपना महत्व होता है यदि घोड़ा दौड़ने में वीर है तो गधा भार को ढोने में।

5

प्र8 (i) राजहंसेन।

1 (ii) शोभा।

1 (iii) ~~बकसहस्त्रेण~~ परित:।

1 (iv) बकसहस्त्रेण।

1

प्र9 (i) गुणी गुणं वेत्ति न वेत्ति निर्गुणो
बली बलं वेत्ति न वेत्ति निर्बल:।
पिको वसन्तस्य गुणं न वायस:
करी च सिंहस्य बलं न मूषक:॥1॥

2 1

1

(ii) संपत्तौ च विपत्तौ च महतामेकरूपता।
उदये सविता रक्तो रक्तश्चास्तमये तथा॥2॥

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
2	प्र10 (i)	"शिशुलालनम्" नामक पाठ "कुन्दमाला" नामक ग्रन्थ से लिया गया है। इसके रचनाकार "दिंगनाग" हैं मूलतः इस पाठ में राम और लवकुश के मध्य हुए वार्ता को दर्शाया है जब लवकुश श्री राम के महल पर रामायण की कथा सुनाने जाते हैं। जब वे जाते हैं तब सेनापति उनका सम्मानपूर्वक आगमन करता है और श्रीराम के समक्ष ले जाता है। दोनों बालक श्रीराम को नमस्कार करते हैं। तो श्रीराम कहते हैं कि आप हुए अतिथि का आदर तो हमें करना चाहिए, आप हमें आगे से नमस्कार क्यों कर रहे हैं? फिर वे उन दोनों को अपने सिंहासन पर विराजित करने का आग्रह करते हैं परन्तु दोनों भाई मना कर देते हैं। फिर श्रीराम उन दोनों को अपनी गोद में बिठा लेते हैं। फिर उन दोनों से प्रश्न करते है कि आपके वंश का कर्ता कौन है? सूर्य या चन्द्रमा? तो लव उत्तर देता है- सूर्य। फिर श्रीराम पूछते है कि आप दोनों किसके शिष्य है? तो कुश कहता है- भगवान वाल्मीकि के शिष्य है। फिर वे पूछते हैं किस सम्बन्ध के कारण तो लव कहता है उपनयन के कारण। फिर श्रीराम कहते हैं कि आप दोनों तो हमारे ही कुल के लगते है। श्रीराम उनसे उनके पिता का नाम पूछते है तो कुश कहता है- "निर्दयी" नाम है। ऐसा कौन कहता है? हमारी माता हमें कहती है जब हम अत्यधिक चंचलता करते है तब। तब श्रीराम सोचते हैं

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

कि जितनी पीड़ा उसके पिता ने उनकी माता को सहनी पड़ी होगी। फिर वे कौतुहलवश इन दोनों की माता का नाम जानना चाहते हैं परन्तु ऐसा करना उनके कुल में उचित नहीं होता तो वे विदूषक को कहते है कि इनकी माता का नाम ज्ञात करे। फिर विदूषक इन दोनों से उनकी माता का नाम पूछता है तब लव कहता है कि तपोवन वासी उन्हें "देवी" इस नाम से पुकारते हैं और वाल्मीकि "वधू" इस नाम से। तब श्रीराम समझ जाते है कि ये तो उनकी पत्नि सीता ही है। उनकी आँखों से अश्रुधारा बहने लगती है। वे समझ जाते हैं कि ये दोनों उनके ही पुत्र हैं। इन दोनों को वे गले से लगा लेता है। फिर लव और कुश कहते हैं कि समय बीतता जा रहा है हमें कथा शुरू करनी चाहिए। श्रीराम उनके लिए सम्पूर्ण तैयारी करवाते हैं। और कथा प्रारम्भ होती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1	प्र11	(क) क्षेत्रकर्षणं।
2		(ख) वृषभः क्षेत्रे पपात।
1		(ग) (i) कश्चित्।
1		(ii) अकरोत्।
5		
1	प्र12	(क) वृक्षः।
2		(ख) अस्माभिः फलच्छायासमन्वितः वृक्षः सेवितव्यः।
1		(ग) (i) फलच्छायासमन्वितः।
1		(ii) अस्ति।
5		
1	प्र13	(क) रामः।
2		(ख) कुशलवयो वंशस्य कर्ता: भगवान सहस्रदीधितिः अस्ति।
1		(ग) (i) आवाम्।
1		(ii) भगवान्।

BSEB-10/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
3	प्र 14	(क) चतुर्युग चतुर्युगम् ।
		(ख) माता पितरौ च इति मातापितरौ / पितरौ ।
		(ग) अव्ययीभाव समास।
	प्र 15	(क) तदा ।
		(ख) तर्हि ।
		(ग) यावत् ।
½	प्र 16	(i) नगरपालिकाध्यक्षः ।
½		(ii) निवेदनम् ।
½		(iii) नगरस्य ।
½		(iv) परिक्षेत्रे ।
½		(v) सन्ति ।
½		(vi) मनांसि ।
½		(vii) कृपया ।

BSER 1809/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
1/2		(viii) ~~[illegible]~~ + कर्मकरान् ।
4	प्र17	(1) अध्ययनम् ।
1		(2) समीचीनम् ।
1/2		(3) काठिन्यम् ।
1/2		(4) अंग्रेजी - विषये
1/2		(5) अध्यापकः ।
1/2		(6) विषये ।
1/2		(7) स्थानान्तरणम् ।
1/2		(8) व्यवस्थां ।

BSER 180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
5	प्र18	(i) विद्यालयस्य परितः रसालवृक्षाः सन्ति।
		(ii) नृपः भिक्षुकाय भोजनं ददाति।
		(iii) मयूरः नृत्यति।
		(iv) वयम् रामायणम् पठिष्यामः।
		(v) अयोध्यायाः नृपः दशरथः आसीत्।
3	प्र19	(i) एकदा कश्चित् कुक्कुरः एकां रोटिकां प्राप्नोत्।
		(ii) सः रोटिकां मुखे गृहीत्वा गच्छन् आसीत्।
		(iii) तदा सः नदीजले स्वप्रतिबिम्बम् अपश्यत्।
		(iv) स्वप्रतिबिम्बम् अन्यं कुक्कुरं मत्वा सः तस्य रोटिकां प्राप्तुम् अचिन्तयत्।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(v) सः कुक्कुरः रोटिकां प्राप्तुं तेन सह युद्धार्थं मुखम् उद्घाटयति।

(vi) तदा तस्य मुखात् रोटिका अपि जले पतति।

"समाप्त"

80/80

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER 18-2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSEB INDIA'S

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-180/2025

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर